शर्मनाक घटना हुई। वहां उत्तर भारतीयों पर आक्रमण हुए, उनको मुम्बई से पलायन करने के लिए मजबूर किया गया, यहां तक कि हमारे सदन के दो सदस्यों को भी नहीं छोड़ा गया और हमारे देश के गौरव, विश्वविद्यालय कलाकार, श्री अमिताभ बच्चन जी के घर पर भी आक्रमण किया गया। यह एक विभाजनकारी प्रवृति थी, जो एक छोटे नेता द्वारा की गई।

आज मैं जिस घटना की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कर रहा हूं, वह घटना, वह वक्तव्य इस देश की संघीय व्यवस्था और इस देश को बाटने की एक साजिश है तथा वह इस देश के प्रति विभाजनकारी प्रवृत्ति है। सबसे बदी शर्मनाक बात यह है कि वह बयान इस भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा दिया जा रहा है। अभी कुछ दिनों पहले एक्स समाचार पत्र, दैनिक जागरण, में एक खबर प्रकाशित हुई कि भारत के स्वास्थ्य मंत्री ने यह कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग पूरे भारतवर्ष में बीमारी का कारण है और बीमारी फैलाते हैं। ...(**व्यवधान**)... मुझे यह कहने में बहुत दुख है। ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग भारत के बाहर रहते हैं या भारत के निवासी नहीं है। अगर इस प्रकार की विभाजनकारी प्रवृत्ति का बयान डा0 रामदास जी, हमारे केन्द्र के स्वास्थ्य मंत्री, द्वारा दिया जा रहा है, जोकि तथ्यात्मक नहीं है, तो यह ठीक नहीं है। अगर बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग सम्पूर्ण भारत में जाकर खेती करते हैं, मजदूरी करते हैं, अपना जीवन यापन करते हैं तथा वहां के लोगों की सेवा करते हैं, तो उसके प्रतिफल में उन गरीब लोगों को बीमारी का कारण बताया जाना और वह भी केन्द्रीय मंत्री के द्वारा, यह बहुत शर्मनाक घटना है. ...(**व्यवधान**)...मैं यह कहना चाहूंगा कि केन्द्रीय मंत्री कृपया स्पष्ट करें कि उनकी इस बात का आधार क्या है? उन्होंने किस आधार पर यह कहा है? अगर यह गलत है, तो इसकी निन्दा होनी चाहिए और उनके खिलाफ विशेषधिकार का प्रस्ताव आना चाहिए, क्योंकि केन्द्रीय मंत्री को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह सम्पूर्ण भारत के मंत्री है तथा उत्तर प्रदेश और बिहार भी भारत के अविभाज्य अंग है, ...(समय की घंटी)..... बहुत बड़े अंग है। उस से अच्छा होता अगर डा0 रामदास जी यह समझकर कि वहां के लोग ज्यादा बीमार हैं, तो उस बीमारी के लिए विशेष व्यवस्था करते। महोदय, वह स्वास्थ्य मंत्री हैं तो उन गरीबों के लिए विशेष व्यवस्था करते जिससे कि उनका स्वास्थ्य उन्नत हो सके। महोदय, मैं चाहूंगा कि इस बारे में डा0 रामदास जी से स्पष्टीकरण लिया जाना चाहिए।

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सर, इस मामले में तो पूरे हाउस को एसोसिएट करना चाहिए।

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): सर, आप हमें प्रोटेक्श्न दीजिए, वह जवाब दें। आप डिप्टी-चेयरमेन है ...(**व्यवधान**)... हम लोग यहां दर्शक बनकर तो नहीं आए हैं। उन्होंने इतना अहम सवाल उठाया है, अगर आप प्रोटेक्शन नहीं देंगे...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: इसीलिए मैं कहता हूं कि आप स्पेशल मेंशन दें या कुछ और दें तो जवाब मिल जाएगा। मैं जीरो आवर में कितना प्रोटेक्शन दूंगा ।

Reservation for Dalit Muslims and Dalit Christians in the Country

SHRISYED AZEEZ PASHA (Andhra Pradesh): Sir, I want to raise a very important issue in mis august House regarding the discrimination of Muslim Dalits and Chrisitian Dalits. Sir, right from 1936 they were availing SC status. Unfortunately, by the repugnant para 3 of the Presidential Order 1950, they were de-listed from Scheduled Caste category. Later on, in the year 1956, Dalits among Sikh community and in 1990, Buddhists, were re-listed once again through amendments. It was really a welcome step. But, the same facility was denied to Muslim Dalits who constitute only 0.80 per cent of the entire Muslim population in India as per Rajinder Sachar Committee Report Sir, the denial and deprivation to Muslim and Christian

Dalits go contrary to the Fundamental Right and basic spirit of the Constitution. Article 14 speaks equality before law and article 15 clearly mentions about non-discrimination on the grounds of religion to any citizen. So, the denial and discrimination is a clear-cut violation of the basic tenets and the spirit of Constitution. While Article 16 emphasises equal opportunities in public employment but unfortunately, Muslim Dalits and Christian Dalits are not equally treated on par with other SC communities. So to undo the long done injustice to these communities, I strongly urge upon the Government to immediately amend the Constitution and re-enlist Muslim Dalits and Christian Dalits in SC category and implement the true spirit of articles 14,15,16 and article 20. Thank you.

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

SHRI KAMAL AKHTAR (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

SHRI MATILAL SARKAR (Tripura): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

SHRI ALI ANWAR ANSARI (Bihar): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

SHRI NAND KISHORE YADAV (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

SHRI TARIQ ANWAR (Maharashtra): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

SHRIMATI VASANTHI STANLEY (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Syed Azeez Pasha.

श्री अली अनवर अंसारी: इस पर श्री रंगनाथ मिश्र कमीशन ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप एसोसिएट कीजिए। डा0 टी0 सुब्बारामी रेड्डी।

श्री अली अनवर अंसारी: आप श्री रंगनाथ मिश्र कमीशन की रिपोर्ट यहां रखवाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: डा0 टी0 सुब्बारामी रेड्डी। श्री बनवारी लाल कंछल। अब और कुछ रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

श्री अली अनवर अंसारी:*

श्री उपसभापति: आप बैठिए, एसोसिएट कीजिए। आप एसोसिएट किजिए, प्लीज। ...(**व्यवधान**)... रिकॉर्ड में कुछ भी नहीं जा रहा है। बैठिए, आप एसोसिएट कीजिए। ...(**व्यवधान**)... Nothing will go on record. ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए, कुछ रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... Please sit down. मैनें कह दिया , आप जो कह रहे हैं, रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है ।आप एसोसिएट कीजिए, एसोसिएट कीजिए, बस।

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र): सर, मैं एसोसिएट करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री अली अनवर अंसारी:*

श्री उपसभापति: आप फिर बोलना शुरू कर रहे हैं। आप बैठिए, जवाब नहीं मिलेगा। जीरो आवर में जवाब नहीं मिलेगा ...(**व्यवधान**)... बैठिए, प्लीज। श्री बनवारी लाल कंछल। ...(**व्यवधान**)... आप यह मत कहिए, रूल्स के मुताबिल बोलिए ...(**व्यवधान**)... यह मत कहिए। देखिए, आप यह मत कहिए। हाउस रूल्स के ऊपर चलता है। आप चैयर के साथ argument मत करिए। श्री बनवारी लाल कंछल।